Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 01-03-2007

Participants : Kripalani Shri Srichand

Title: Need to bring a comprehensive policy in the interest of the people engaged in opium cultivation.

श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ़) : महोदय, राजस्थान सहित मध्य प्रदेश एवं देश के अन्य राज्यों में अफीम उत्पादकों की स्थिति विगत दो वाá से आर्थिक एवं सामाजिक रूप से विाम बनती जा रही है। सरकार द्वारा देश के किसानों को आर्थिक विकास की गति में पूर्ण भागीदारी प्र ादान कराने की निरंतर की जा रही घोाणाएं एवं विभिन्न स्तरों पर की जा रही कार्य प्रणाली का असर सरकार की घोाणा एवं मंशा के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों द्वारा ऋणों के बोझ से दबकर एवं कृाि उत्पादन विभिन्न जिन्सों का लाभकारी मूल्य प्राप्त नहीं हो पाने के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों में आत्महत्याओं की ओर प्रेाित हो रहे हैं, जिसे रोका जाना अतिआवश्यक है। वर्तमान में राजस्थान के झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बारां आदि जिलों के हजारों किसानों द्वारा अफीम उत्पादित कर अपनी आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक स्तर बनाए हुए हैं, जिन्हें वर्तमान सरकार द्वारा गत दो वाá से निरंतर कृाि क्षेत्र अफीम के रकबे में कटौती एवं कृाि उत्पादकों की संख्या में कमी कर संभावित उत्पादन कम किया जा रहा है, जिससे किसानों को अफीम उत्पादन से पृथक उत्पादन की ओर जाने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

अतः इस दृाटि से मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से आग्रह है कि राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों के अफीम उत्पादकों के हितों एवं वर्तमान अफीम भण्डारण की स्थिति सहित सभी राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लोण कर अफीम उत्पादन की नीति निर्धारण में क्षेत्रीय सांसदों एवं विधानसभा के सदस्यों सहित जन-प्रतिनिधियों की आम सहमति बनाकर अफीम नीति घोाित की जाए।